पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा हर एक विश्वासी के लिए है (प्रेरितों के काम 2:39)। वह सहायक है जिसे परमेश्वर ने हमें इसलिए दिया कि हम इस पृथ्वी पर परमेश्वर के स्तर के अनुसार उद्धार का जीवन जी सकें।

जिस दिन तुमने यीशु को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया, उसी दिन तुमने पवित्र आत्मा को भी ग्रहण कर लिया।

हो सकता है कि तुमने उस समय कुछ विशेष महसूस न किया हो, पर जैसे- जैसे तुम प्रभु की आज्ञा का पालन करते हो, तुम उसके कार्यों को अपने भीतर स्पष्ट रूप से देखने लगते हो।

यहाँ पवित्र आत्मा के वे मुख्य कार्य दिए गए हैं जो वह हर एक विश्वासी के भीतर करता है:

1. वह सही मार्ग में अगुवाई करता है और शास्त्र को समझने में

सहायता करता है
(यूहन्ना 16:13):

“परन्तु जब वह आ जाएगा, अर्थात् सत्य का आत्मा, तो वह
तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा; क्योंकि वह अपनी ओर से कुछ
न बोलेगा, परन्तु जो कुछ सुनेगा वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा।”

2. वह बीती और आनेवाली बातों को प्रकट करता है
(यूहन्ना 14:26):

“परन्तु वह सहायक, अर्थात् पवित्र आत्मा, जिसे पिता मेरे
नाम से भेजेगा, वही तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और तुम्हें वह सब कुछ स्मरण कराएगा जो मैं तुमसे कह चुका हूँ।”

3. वह प्रार्थना में सहायता करता है

(रोमियों 8:26):

“उसी प्रकार आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है, क्योंकि जैसा हमें प्रार्थना करना चाहिए, हम नहीं जानते, परन्तु आत्मा आप ही ऐसी आहों के साथ जो शब्दों में नहीं आ सकती, हमारे लिये बिनती करता है।”

4. वह शरीर की इच्छाओं पर विजय दिलाने में सहायता करता है (गलातियों 5:16–17):

“मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो शरीर की लालसा को सिद्ध न करोगे।
क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में लालसा करता है, और आत्मा शरीर के विरोध में; और ये एक-दूसरे के विरोधी हैं, ताकि तुम वे न कर सको जो करना चाहते हो।”

5. वह पाप के विषय में आत्मा को जगा कर सचेत करता है

(यूहन्ना 16:8):

“और वह आकर संसार को पाप, धर्म और न्याय के विषय में दोषी ठहराएगा।”

6. वह आत्मिक वरदान देता है ताकि विश्वासी कलीसिया की सेवा कर सके
(1 कुरिन्थियों 12:7–11):

“परन्तु सब को आत्मा का प्रगट होना लाभ के लिये दिया जाता
है।
क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा ज्ञान का वचन, और दूसरे को
उसी आत्मा के अनुसार ज्ञान का वचन दिया जाता है;
एक को उसी आत्मा के द्वारा विश्वास, और दूसरे को उसी एक
आत्मा के द्वारा चंगाई की वरदानें;
किसी को चमत्कार करने की सामर्थ, किसी को भविष्यवाणी, किसी को आत्माओं की परख; किसी को तरह-तरह की भाषा, और किसी को भाषाओं के अर्थ बताने की शक्ति।
परन्तु ये सब एक ही आत्मा की ओर से प्रभाव में लाए जाते हैं, और वह अपनी इच्छा के अनुसार हर एक को अलग-अलग बांटता है।”

7. वह साहसपूर्वक मसीह की गवाही देने की सामर्थ प्रदान करता है (प्रेरितों के काम 1:8):

“परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा, तब तुम सामर्थ पाओगे,
और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की
छोर तक मेरे गवाह बनोगे।”

पवित्र आत्मा के ये सारे लाभ और कार्य एक व्यक्ति के जीवन में इस बात पर निर्भर करते हैं कि वह उसे अपने भीतर कितना स्थान देता है।
इसीलिए, हर नए विश्वासी को इन बातों को जानना आवश्यक है, ताकि वह अनजाने में पवित्र आत्मा को न बुझा दे और एक अविश्वासी के समान जीवन न जीने लगे।

कैसे पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हों ताकि उसका कार्य हमारे जीवन में प्रकट हो?

1. पाप से अलग हो जाओ।
प्रभु यीशु ने हमें सिखाया है कि हम अपनी इच्छा को त्यागें। इसका अर्थ है कि हम अपने शारीरिक स्वार्थों को छोड़कर केवल परमेश्वर की इच्छा को अपनाएं।
यदि तुम पहले शराबी थे, तो अब उससे दूर रहो; यदि तुम व्यभिचारी जीवन जीते थे, तो अब उसका त्याग करो।

2. अपने आत्मिक अगुवों से हाथ रखवाओ।
हाथ रखवाना आत्मा का एक विशेष प्रकार का अभिषेक है, जिससे अनुग्रह भी स्थानांतरित होता है।
हम पवित्र शास्त्र में कई उदाहरण देखते हैं जहाँ लोग इस तरह से पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुए (प्रेरितों के काम 8:17; 19:6; 2 तीमुथियुस 1:6)।

3. प्रतिदिन प्रार्थना करते रहो।
प्रभु यीशु ने हमें न्यूनतम एक घंटे प्रार्थना करने की शिक्षा दी।
प्रार्थना में प्रभु से यह भी कहो: “प्रभु, मुझे आत्मा में

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

प्रार्थना करने की सामर्थ दे,” अर्थात् नई भाषा में बोलने की। यदि यह वरदान अब तक नहीं मिला है, तो इसके लिए भी विनती करो।

ध्यान दें:
प्रार्थना करते समय आवाज़ निकालना और अपने होंठों से बोलना सीखो।
आपके मन में नहीं, बल्कि आपके मुख से शब्द निकलने चाहिए। यह आत्मा से परिपूर्ण होने की अच्छी आत्मिक अनुशासन है।

4. प्रतिदिन परमेश्वर का वचन पढ़ो।
पवित्र आत्मा हमें उसके वचन से भरता है।
वह हमें अपने वचन के द्वारा मार्गदर्शन देता है।
परमेश्वर की उपस्थिति का सबसे पूर्ण रूप केवल उसके वचन में है। जो मसीही वचन नहीं पढ़ता, वह न तो आत्मा की आवाज़ सुन सकेगा और न ही उसे समझ सकेगा।

यदि तुम इन बातों को जीवन में अपनाओगे, तो पवित्र आत्मा की उपस्थिति और सुंदरता तुम्हारे भीतर प्रकट होगी।

पवित्र आत्मा पर अतिरिक्त शिक्षाएं:

वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।

मैं पवित्र आत्मा की उपस्थिति को अपने पास कैसे आकर्षित करूं?

कैसे पवित्र आत्मा लोगों को शास्त्र की समझ देता है।

पवित्र आत्मा की निंदा करने का पाप क्या है?

नई भाषाओं में कैसे बोलें?

इस उत्तम सुसमाचार को दूसरों से भी साझा करें!
यदि आप चाहते हैं कि हम आपकी यीशु को जीवन में ग्रहण करने में सहायता करें, तो इस लेख के नीचे दिए गए नंबरों पर हमसे संपर्क

करें – यह सेवा पूर्णतः निःशुल्क है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp